नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी "बी"
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
स्थापित २००५ ई.
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 13.08.2019

i:dk'kukFk

महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर भारत **"विभाजन की परिस्थितियाँ एवं अखण्ड भारत की सम्भावनाएँ"** विषय पर मुख्य वक्ता भारत सरकार के पूर्व केन्द्रिय मंत्री, बिहार विधान परिषद के सदस्य एवं पटना विश्वविद्यालय में आचार्य **प्रो0 संजय पासवान** ने बोलते हुए कहा कि **भारत विभाजन का दंश और पीड़ा से आज भी प्रत्येक भारतवासी आहत है** और अखण्ड भारत के लिए उसका अन्तरमन लालायित रहता है। पीड़ा से प्रेरणा मिलती है और जब यह पीड़ा देश विभाजन की हो तो हमें और भी सीख दे जाती है। स्वतंत्रता से एक दिन पूर्व भारत विभाजन कभी न मिटने वाले एक ऐसे आघात के समान था। लेकिन वर्तमान में भारत के केन्द्रीय नेतृत्व ने अपने दृढ़इच्छा शक्ति और अटूट राष्ट्रभक्ति से अखण्ड भारत के प्रत्येक भारतवासी के स्वप्न को पूरा होने की ओर कदम बढ़ा दिया है।

प्रो0 पासवान ने आगे कहा कि 14 अगस्त 1947 की काली रात में भारत माता एक बार और खण्डित हुयी और इसके लिए जितने जिम्मेदार मोहम्मद अली जिन्ना एवं मुस्लिम लीग थी उतने ही जिम्मेदार जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व की तत्कालीन कांग्रेस थी। धर्मनिरपेक्ष जिन्ना को साम्प्रदायिक जिन्ना, नेहरू की कांग्रेस ने ही बनाया। भारत का विभाजन भारत–पाकिस्तान–बांग्लादेश की जनता के साथ विश्वासघात था। सत्तालोलुप नेताओं ने कमरे में बैठकर देश का बटवारा कर दिया और हिन्दु–मुस्लिम विभाजन की ऐसी रेखा खींच दी जिस बटवारे की राजनीति पर सत्तालोलुप नेता आज तक अपनी–अपनी रोटी सेक रहे हैं। यद्यपि कि भारतीय संस्कृति स्वीकारिता की संस्कृति रही है आहत को राहत देना हमारी संस्कृति का मूल हिस्सा भी रहा है। लेकिन हमको भूतकाल में मर्माहत करने वाली विभाजन जैसी घटनाओं के यथार्थ को समझना होगा। भारत की एकता और अखण्डता को अच्छुण रखते हुए अखण्ड भारत के निर्माण को साकार करने के लिए शपथ लेना चाहिए। उन्होने आगे कहा कि भारत विभाजन की तमाम उत्तरदायित्व परिस्थितियों में उन्नीस सौ सोलह का लखनऊ अधिवेशन, महात्मा गाँधी का खिलाफत आन्दोलन के प्रति सकारात्मक रूख, पृथक मुस्लिम निर्वाचन क्षेत्र के प्रति सहमति, पुना पैक्ट आदि प्रमुख मानी जाती है, जिन्होंने भारत विभाजन की उस काली घटना का मार्ग प्रशस्त किया। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत विभाजन तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व की नीतिगत भूल एवं उनकी पुष्टिकरण की नीति का परिणाम था। जबकि वही दूसरी तरफ काग्रेस की ऐसी सत्तालोलुप नीति का भारत के राष्ट्रवादी विचारको एवं नेताओं ने स्वीकार नही किया था। इन सभी परिस्थितियों को वर्तमान भारत के युवाओं को बहुत ही गहराई से देखने और समझने की जरूरत है। उन्होने कहा कि जब वियतनाम एक हो सकता है, जर्मनी को एकीकृत किया जा सकता है, इजराइल अट्ठारह सौ वर्ष बाद भी विश्व के मानचित्र पर एक राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकता है, दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया की एक होने की सम्भावना हो सकती है तो एक संस्कृति वाला अखण्ड भारत एक क्यों नही हो सकता। यह बात वर्तमान भारत के युवाओं के मस्तिष्क में क्यों नही चल सकती।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि मगध विश्वविद्यालय बोधगया के अवकाश प्राप्त आचार्य **डॉ0 महेश कुमार शरण** ने कहा कि भारत का विभाजन षड्यंत्र का परिणाम था। 1947 में हम ब्रिटिश साम्राज्यवादियों एवं भारत के सत्ता के लालची अपने नेताओं के षड्यंत्र का शिकार हो गए। विभाजन उनके द्वारा पैदा की गई हिन्दु–मुस्लिम के बीच के खाई का कारण बन गई। सतही तौर पर यह माना जाता है कि जिन्ना की जिद्द और मुस्लिम लीग की साम्प्रदायिक

7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

सोच ही विभाजन की जिम्मेदार थी लेकिन तत्कालीन काग्रेंस का नेत्त्व भी कम जिम्मेदार नहीं थी।

कार्यक्रम की **अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव** ने कहा कि भारत का विभाजन एक अप्राकृतिक घटना के साथ–साथ ऐतेहासिक कडवा सच्च भी है जो यह स्पष्ट करता है कि हिन्दु–मुस्लिम जैसे पांथिकतत्व राष्ट्रीयता पर जब भी भारी पडेंगे तब–तब राष्ट्र और राष्ट्रीयता खण्डित होगी ही। ऐसी घटनाऐं दुर्भाग्यापूर्ण तो अवश्य है लेकिन हमें भविष्य के लिए सीख भी देती है। भारत राष्ट्र भूसांस्कृतिक एकता का प्राचीन काल से ही प्रतिनिधित्व करता रहा है। हिन्दुकुश से लेकर हिमालय तक और सागर से सागर तक की एक लम्बी विरासत हमें प्राप्त है जो अखण्ड भारत का मार्ग प्रशस्त करेगीं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ0 कृष्ण कुमार ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राएं ललिता गुप्ता, मनीषा वर्मा, अम्बिका सिंह ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत तथा एक नया इतिहास रचे हम एकल गीत ज्योति राजपूत ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन वन्दे मातरम् के साथ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ0 राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी